UP Board Solutions for Class 8 History Chapter 10 अंग्रेज भारत छोड़ने को विवश

अभ्यास

प्रश्न 1.
बहुविकल्पीय प्रश्न
(1) भारतीय स्वाधीनता अधिनियम पारित हुआ
(क) 1945 ई० में
(ख) 1947 ई० में ✓
(ग) 1946 ई० में
(घ) 1942 ई० में

(2) फारवर्ड ब्लॉक का संबंध है-
(क) राम मनोहर लोहिया
(ख) जय प्रकाश नारायण
(ग) अरूणा आरू अली
(घ) सुभाष चन्द्र बोस ✓

प्रश्न 2.
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
(1) सत्याग्रह करने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर
सत्याग्रह करने वाले पहले व्यक्ति विनोबा भावे थे।

(2) 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, यह कथन किसका है?
उत्तर
यह कथन सुभाष चन्द्र बोस का है?

प्रश्न 3.
लघु उत्तरीय प्रश्न
(1) अंग्रेज भारत छोड़ने के लिए क्यों विवश हुए? किन्हीं तीन कारणों को लिखिए।
उत्तर
अंग्रेजों के भारत छोड़ने के तीन मुख्य कारण निम्न हैं

1. अमेरिका और रूस यह दोहराते रहे कि द्वितीय विश्व युद्ध स्वतन्त्रता और लोकतन्त्र की रक्षा के लिए लड़ा जा रहा था। वे नैतिक रूप से भारत की स्वतन्त्रता का समर्थन करने को बाध्य थे।
2. इंग्लैण्ड में लेबर पार्टी सत्ता में आई। उसने भारत और विश्व की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भारत को स्वतन्त्र करने की घोषणा की।

3. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अँग्रेजों की सैन्यशक्ति घट गई थी। उनके उपनिवेशों में स्वतन्त्रता की निरन्तर माँग बढ़ रही थी। आजाद हिन्द फौज ने सैनिक विद्रोह को प्रेरणा दी। मुम्बई में नौसैनिक विद्रोह हुआ। विश्व जनमत भारत के साथ था। संयुक्त राष्ट्र संघ, जिसके संस्थापकों में भारत भी था, भारतीय स्वतन्त्रता की उपेक्षा नहीं कर सकता था।

(2) कैबिनेट मिशन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर
जुलाई 1945 में ब्रिटेन में संसद के चुनाव में सरकार बदल गई। वहाँ मजदूर दल के नेता एटली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने। मजदूर दल के नेता भारत की स्वतंत्रता के पक्षधर थे। इन परिस्थितियों में इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री क्लीमेन्ट एटली ने भारतीय नेताओं से विचार-विमर्श करने के लिये अपने मंत्रि मण्डल की ओर से कुछ सदस्यों की एक समिति 1946 ई० में भारत भेजी। इस समिति को कैबिनेट मिशन' कहते हैं।

प्रश्न 4.
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(1) 1935 ई० के अधिनियम के अंतर्गत प्रांतों की सरकार क्यों गठित की गई?
उत्तर
सन् 1935 ई० में अंग्रेजों ने भारतीयों को प्रसन्न करने के लिए सन् 1935 ई० का अधिनियम पारित किया। इसके अंतर्गत प्रांतों को कुछ सीमा तक स्वायत्ता प्रदान की गई थी। प्रांतों में प्रांतीय स्वायत्ता की व्यवस्था की गई। केंद्र में अखिल भारतीय संघ की स्थापना की गई। इस संघ में भारत के प्रांतों तथा देशी रियासतों (रजवाड़ों) को शामिल किया गया। यह भी व्यवस्था की गई कि केंद्र की विधायिका में देशी राजाओं द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि भी रहेंगे। अतः इस अधिनियम के अंतर्गत प्रांतों की सरकार गठित की गई।

https://www.evidyarthi.in/